

RAJYA SABHA

Tuesday, the 8th June, 2004/18 Jyaistha, 1926 (Saka)

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

PAPER LAID ON THE TABLE

Report (2002-03) of the Public Enterprises Survey

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SURESH PACHOURI): Sir, I, on behalf of the Minister of State of the Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises (Shri Santosh Mohan Dev), lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Annual Report of the Public Enterprises Survey (Volumes I, II and III), for the year 2002-03. [Placed in Library. *See* No. L.T. 10/04]

RECOMMENDATIONS OF THE BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

MR. CHAIRMAN: I have to inform the House that the Business Advisory Committee in its meeting held on Monday, 7th June, 2004, allotted 12 hours for discussion on the Motion of Thanks on the President's Address.

माननीय सदस्यगण, हम सब चाहते हैं राष्ट्रपति महोदय के अभिभाषण पर चर्चा हो। डा. कर्ण सिंह साहब ने प्रस्ताव मूव किया है। मैं समझता हूँ कि आप प्रस्ताव मूव कर दें। लेकिन मेरे पास एक दूसरा पत्र श्रीमजी सुषमा स्वराज ने दिया है। वह प्रस्ताव यह है कि कल लीडर आफ दि अपोजिशन को बोलने नहीं दिया गया। वे जो बात कहना चाहते थे उसके संबंध में वह कुछ कहना चाहती हैं। उनके कहने के बाद हाउस में इस मोशन के ऊपर चर्चा हो। तो इस पर किसी को कोई आपत्ति तो नहीं है।

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : महोदय, यह बात परम्परा के विरुद्ध होगी।
...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र) : कम से कम उनको बोलने तो दिया जाए।
...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, इस प्रकार की कोई परम्परा नहीं है ।
...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट बैठिए । ... (व्यवधान) ... एक मिनट बैठिए । उन्होंने मुझे लैटर लिखकर दिया है, वह पढ़ कर सुना देता हूँ । ... (व्यवधान) ... सुनिए-सुनिए, इतनी जल्दी मत करिए भंडारी जी "Yesterday the Leader of the Opposition was identified to raise some points, but he was not allowed by Members of the Treasury raise the issue and oblige".

मैं समझता हूँ इसमें कोई आपत्ति नहीं है ।

प्रो. राम देव भंडारी : मुझे आपत्ति है मगर मैं आपकी आज्ञा का पालन कर रहा हूँ ।

श्री सभापति : आप केवल मूव करिए । आप भाषण नहीं करेंगे, केवल प्रस्ताव मूव करेंगे ।

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS

DR. KARAN SINGH (NCT of Delhi): Sir, I beg to move:-

That an Address be presented to the President in the following terms:

"That the Members of the Rajya Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the President for the Address which he has been pleased to deliver to both Houses of Parliament assembled together on June 7, 2004"

...(Interruptions)...

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Sir, I second the motion
...(Interruptions)...

MATTER RAISED WITH PERMISSION

**Not allowing Leader of Opposition to Complete his Speech on the
Selection of the Council of Ministers**

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : माननीय सभापति महोदय, कल जिस समय माननीय प्रधान मंत्री जी अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों का परिचय करने के लिए यहां आए